**विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा – सप्तम** **दिनांक -०८ - ०४ - २०२१**

**विषय -हिन्दी** **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

**एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित**

**सुप्रभात बच्चों आज सार्थक शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे ।**

# सार्थक शब्द

सार्थक शब्द की परिभाषा

सार्थक शब्द वे होते है, जो वाक्य प्रयोग करने पर खास अर्थ का बोध कराते है | तथा सार्थक शब्दों को ही पद कहा जाता है। जिन शब्दों का कुछ-न-कुछ अर्थ हो वे शब्द सार्थक शब्द कहलाते हैं।

**जैसे-** रोटी, पानी, ममता, डंडा आदि।

किसी निश्चित अर्थ का बोध कराने वाले शब्दों को सार्थक शब्द कहा जाता है। जिस प्रकार मोहन, घर, रात, आना, नीचे, ऊपर आदि सार्थक शब्द हैं।

व्याकरण के अनुसार सार्थक शब्दों के आठ भेद होते हैं। इनमें से प्रथम चार प्रकार के शब्द- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया विकारी होते हैं, क्योंकि ये शब्द लिंग, वचन, कारक आदि से विकृत हो जाते हैं।

सार्थक शब्दों के आठ भेद

1. **संज्ञा**
2. **सर्वनाम**
3. **विशेषण**
4. **क्रिया**

5. **क्रियाविशेषण**
6. **सम्बन्धबोधक**
7. **समुच्चयबोधक**
8. **विस्मयादिबोधक**

शब्द और पद

सार्थक वर्ण-समूह शब्द कहलाता है, किंतु जब इसका प्रयोग वाक्य में होता है तो वह व्याकरण के नियमों में बँध जाता है और इसका रूप भी बदल जाता है। जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।